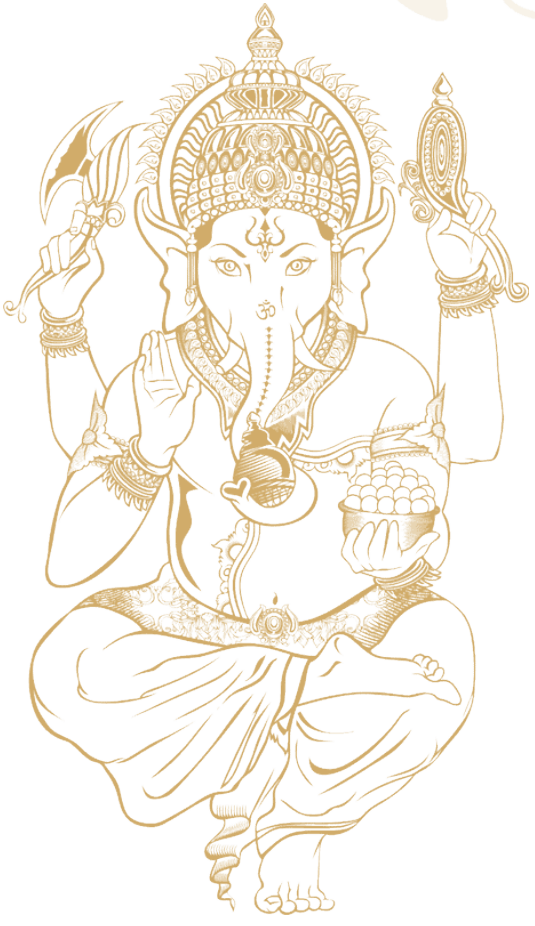

# Anurag singh charan

24 Aug 2016

03:30 PM

Kuchaman

Model: web-freekundliweb

Order No: 121502702

| | |
|---|---|
| लिंग | पुल्लिंग |
| **जन्म तिथि** | **24/08/2016** |
| दिन | बुधवार |
| **जन्म समय** | **15:30:00 घंटे** |
| इष्ट | 23:29:53 घटी |
| **स्थान** | **Kuchaman** |
| राज्य | Rajasthan |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 27:10:00 उत्तर |
| रेखांश | 74:54:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:30:24 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 14:59:36 घंटे |
| वेलान्तर | -00:02:18 घंटे |
| साम्पातिक काल | 13:12:03 घंटे |
| सूर्योदय | 06:06:02 घंटे |
| सूर्यास्त | 18:58:45 घंटे |
| दिनमान | 12:52:43 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | दक्षिणायन |
| सूर्य स्थिति(गोल) | उत्तर |
| ऋतु | शरद |
| सूर्य के अंश | 07:34:21 सिंह |
| लग्न के अंश | 10:41:53 धनु |

**अवकहड़ा चक्र**

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | धनु - गुरु |
| **राशि-स्वामी** | **मेष - मंगल** |
| **नक्षत्र-चरण** | **कृतिका - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | सूर्य |
| योग | ध्रुव |
| करण | बव |
| गण | राक्षस |
| योनि | मेष |
| नाड़ी | अन्त्य |
| वर्ण | क्षत्रिय |
| वश्य | चतुष्पाद |
| वर्ग | गरूड़ |
| युँजा | पूर्व |
| हंसक | अग्नि |
| जन्म नामाक्षर | अ-अश्विनी |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - स्वर्ण |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कन्या |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | धनु | 10:41:53 | 338:56:56 | मूल | 4 | 19 | गुरु | केतु | शनि | --- |
| सूर्य | | | सिंह | 07:34:21 | 00:57:51 | मघा | 3 | 10 | सूर्य | केतु | गुरु | मूलत्रिकोण |
| चंद्र | | | मेष | 27:49:09 | 14:15:19 | कृतिका | 1 | 3 | मंगल | सूर्य | चंद्र | सम राशि |
| मंगल | | | वृश्चि | 15:45:29 | 00:31:13 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | स्वराशि |
| बुध | | | कन्या | 03:19:33 | 00:30:56 | उ०फाल्गुनी | 2 | 12 | बुध | सूर्य | शनि | उच्च राशि |
| गुरु | | | कन्या | 02:32:57 | 00:12:17 | उ०फाल्गुनी | 2 | 12 | बुध | सूर्य | गुरु | शत्रु राशि |
| शुक्र | | | सिंह | 28:57:29 | 01:13:35 | उ०फाल्गुनी | 1 | 12 | सूर्य | सूर्य | मंगल | शत्रु राशि |
| शनि | | | वृश्चि | 15:47:18 | 00:01:04 | अनुराधा | 4 | 17 | मंगल | शनि | गुरु | शत्रु राशि |
| राहु | | | सिंह | 18:41:21 | 00:00:30 | पू०फाल्गुनी | 2 | 11 | सूर्य | शुक्र | राहु | शत्रु राशि |
| केतु | | | कुंभ | 18:41:21 | 00:00:30 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | चंद्र | शत्रु राशि |
| हर्ष | व | | मेष | 00:09:33 | 00:01:11 | अश्विनी | 1 | 1 | मंगल | केतु | केतु | --- |
| नेप | व | | कुंभ | 16:47:33 | 00:01:37 | शतभिषा | 4 | 24 | शनि | राहु | शुक्र | --- |
| प्लूटो | व | | धनु | 21:06:01 | 00:00:54 | पूर्वाषाढ़ा | 3 | 20 | गुरु | शुक्र | गुरु | --- |
| दशम भाव | | | कन्या | 25:25:51 | -- | चित्रा | -- | 14 | बुध | मंगल | राहु | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:18

## लग्न-चलित

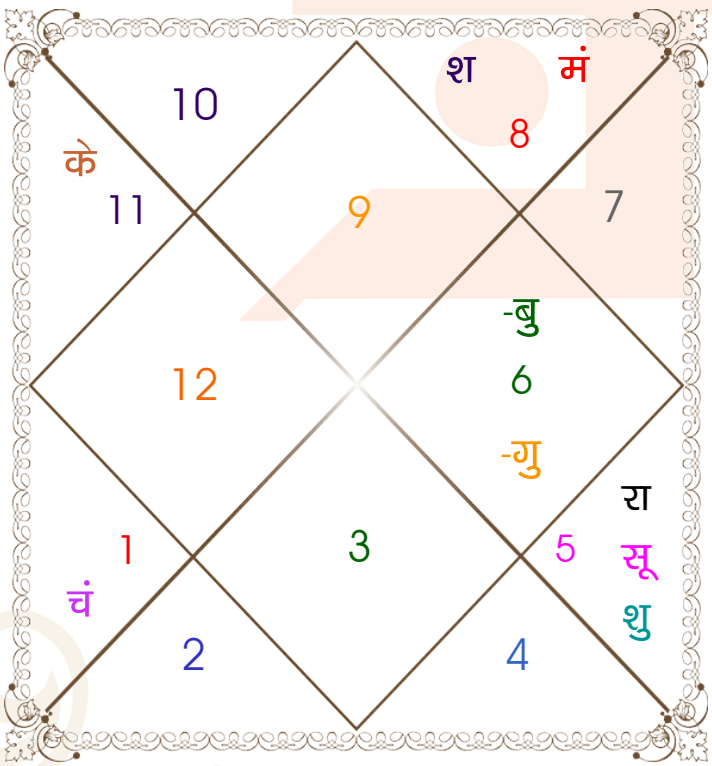


## चन्द्र कुंडली

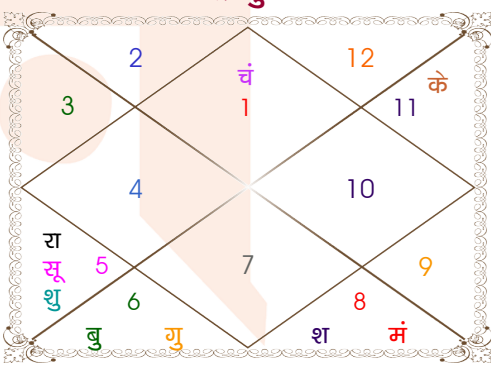


## नवमांश कुंडली

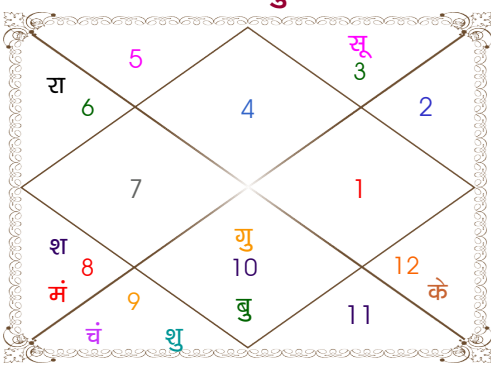

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 5 मास 23 दिन

| सूर्य 6 वर्ष | | चंद्र 10 वर्ष | | मंगल 7 वर्ष | | राहु 18 वर्ष | | गुरु 16 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 24/08/2016 | | 16/02/2022 | | 17/02/2032 | | 16/02/2039 | | 16/02/2057 | |
| 16/02/2022 | | 17/02/2032 | | 16/02/2039 | | 16/02/2057 | | 16/02/2073 | |
| | 24/08/2016 | चंद्र | 18/12/2022 | मंगल | 15/07/2032 | राहु | 30/10/2041 | गुरु | 06/04/2059 |
| चंद्र | 05/12/2016 | मंगल | 19/07/2023 | राहु | 02/08/2033 | गुरु | 24/03/2044 | शनि | 17/10/2061 |
| मंगल | 12/04/2017 | राहु | 17/01/2025 | गुरु | 09/07/2034 | शनि | 29/01/2047 | बुध | 23/01/2064 |
| राहु | 06/03/2018 | गुरु | 19/05/2026 | शनि | 18/08/2035 | बुध | 18/08/2049 | केतु | 29/12/2064 |
| गुरु | 24/12/2018 | शनि | 18/12/2027 | बुध | 14/08/2036 | केतु | 05/09/2050 | शुक्र | 30/08/2067 |
| शनि | 06/12/2019 | बुध | 18/05/2029 | केतु | 10/01/2037 | शुक्र | 05/09/2053 | सूर्य | 17/06/2068 |
| बुध | 11/10/2020 | केतु | 17/12/2029 | शुक्र | 13/03/2038 | सूर्य | 31/07/2054 | चंद्र | 17/10/2069 |
| केतु | 16/02/2021 | शुक्र | 18/08/2031 | सूर्य | 18/07/2038 | चंद्र | 29/01/2056 | मंगल | 23/09/2070 |
| शुक्र | 16/02/2022 | सूर्य | 17/02/2032 | चंद्र | 16/02/2039 | मंगल | 16/02/2057 | राहु | 16/02/2073 |

| शनि 19 वर्ष | | बुध 17 वर्ष | | केतु 7 वर्ष | | शुक्र 20 वर्ष | | सूर्य 6 वर्ष | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 16/02/2073 | | 17/02/2092 | | 17/02/2109 | | 18/02/2116 | | 18/02/2136 | |
| 17/02/2092 | | 17/02/2109 | | 18/02/2116 | | 18/02/2136 | | 00/00/0000 | |
| शनि | 20/02/2076 | बुध | 15/07/2094 | केतु | 16/07/2109 | शुक्र | 19/06/2119 | सूर्य | 06/06/2136 |
| बुध | 30/10/2078 | केतु | 13/07/2095 | शुक्र | 15/09/2110 | सूर्य | 18/06/2120 | चंद्र | 25/08/2136 |
| केतु | 09/12/2079 | शुक्र | 12/05/2098 | सूर्य | 21/01/2111 | चंद्र | 17/02/2122 | | 00/00/0000 |
| शुक्र | 07/02/2083 | सूर्य | 19/03/2099 | चंद्र | 22/08/2111 | मंगल | 19/04/2123 | | 00/00/0000 |
| सूर्य | 20/01/2084 | चंद्र | 18/08/2100 | मंगल | 18/01/2112 | राहु | 19/04/2126 | | 00/00/0000 |
| चंद्र | 21/08/2085 | मंगल | 16/08/2101 | राहु | 05/02/2113 | गुरु | 18/12/2128 | | 00/00/0000 |
| मंगल | 29/09/2086 | राहु | 04/03/2104 | गुरु | 12/01/2114 | शनि | 18/02/2132 | | 00/00/0000 |
| राहु | 05/08/2089 | गुरु | 10/06/2106 | शनि | 21/02/2115 | बुध | 19/12/2134 | | 00/00/0000 |
| गुरु | 17/02/2092 | शनि | 17/02/2109 | बुध | 18/02/2116 | केतु | 18/02/2136 | | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 5 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार  का दिन एकदम खराब है।